

DR. NARTHAKI NATARAJ

Dr. Narthaki Nataraj is a disciple of Natya Kalanidhi Tanjore K.P. Kittappa Pillai, descendant of the legendary Tanjore quartets who is considered as father of the Bharathanatyam art form. Dr. Narthaki learnt and practised under his guidance in Gurukul and specialized in the Thanjavur style Nayaki Bhava tradition.

2. Born on July 6, 1964, in a small village Anuppanadi near Madurai in Tamilnadu and being a third gender, Dr. Narthaki has come miles breaking the stereotypes and barriers of a conservative and orthodox society. Dr. Narthaki believes in maintaining and propagating the pristine purity of the Nayaki Bhava tradition. Many audiences have been moved to tears and some have reported divine experiences during the shows. Dr Narthaki has been giving dance recitals, workshops and lecture demonstrations not only in India but also in countries like America, Australia, Canada, London, Japan, Sri Lanka and many European countries.

3. Dr. Narthaki is the first transgender artist to receive honorary doctorate for her contribution to the field of Bharathanatyam. Achievement episodes of life story of Dr. Narthaki has been recently added as a lesson for class 11 in Tamil text book by Tamilnadu Government Educational Board. Dr. Narthaki along with her best friend, mentor and guide Thirunangai (transgender) Shakthi Bhaskar is conducting classes both in India and abroad under the banner of Velliambalam Trust Nadana Kalaikoodam (school of dance). Dr. Narthaki trains many Indian and foreign students on the traditional repertoire.

4. Dr. Narthaki has received many awards and has also been conferred upon Honorary Doctorate from Periyar Maniammai University 2016, Sangeet Natak Akademi Award 2011, Kalaimamani Award from Tamilnadu Govt 2007, Senior Fellowship from Ministry of Culture, Govt of India (2014-2016), Outstanding Category Empanelled Artist in ICCR, Nruthya Choodamani Award from Sri Krishna Gana Sabha Chennai, Nruthya Rathnakara from Cleveland Tyagaraja Aradana Festival Committee, Junior Fellowship from Sangeet Natak Akademi (2003- 2005) and several other achievements.

डॉ. नर्तकी नटराज



डॉ. नर्तकी नटराज भरतनाट्यम कला के जनक माने जाने वाले तंजौर प्रसिद्ध / चतुर्वृंद के वंशज, नाट्य कलानिधि तंजौर के. पी. कित्तपा पिल्लई की शिष्या हैं। आपने गुरुकुल में रहकर उनसे नृत्य सीखा तथा इसका अभ्यास किया और तंजावुर शैली की नायकी भाव परंपरा में महारथ हासिल की।

2. आपका जन्म 06 जुलाई, 1964 को मदुरै के समीप तमिलनाडु के अनुपन्नाड़ी नामक एक छोटे से गांव में हुआ और किन्नर होने की वजह से आप रूढ़िवादी एवं संकीर्णतावादी समाज की दकियानूसी प्रवृत्तियों और बाधाओं पर विजय प्राप्त करने में सफल हुई हैं। आप नायकी भाव परंपरा की मौलिक विशुद्धता को बरकरार रखने तथा उसका प्रचार करने में विश्वास रखती हैं। आपके नृत्य प्रदर्शन के दौरान दर्शक भाव-विभोर हुए हैं और अनेक लोगों को अलौकिक अनुभूति हुई है। डॉ. नर्तकी न केवल भारत में अपितु अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, लंदन, जापान, श्रीलंका तथा अनेक यूरोपीय देशों में भी नृत्य प्रस्तुतियां, कार्यशालाएं और व्याख्यान देती रही हैं।

3. आप ऐसी पहली किन्नर कलाकार हैं जिन्हें भरतनाट्यम के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। डॉ. नर्तकी की जीवन की उपलब्धियों एवं उनके जीवन से जुड़ी घटनाओं को तमिलनाडु शिक्षा बोर्ड द्वारा 11वीं कक्षा की तमिल पाठ्य पुस्तकों में एक पाठ के रूप में शामिल किया गया है। डॉ. नर्तकी अपनी घनिष्ठ मित्र, परामर्शक तथा मार्गदर्शक थिरूनानगई (किन्नर) शक्ति भास्कर के साथ मिलकर वेलियामबलम ट्रस्ट नदन कलाईकूदम (नृत्य विद्यालय) के ध्वज तले भारत तथा विदेश में नृत्य कक्षाओं का संचालन कर रही हैं। आप अनेक भारतीय एवं विदेशी विद्यार्थियों को परंपरागत रेपेरटॉयर का प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं।

4. आपको अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है तथा पेरियार मनियामई यूनिवर्सिटी की ओर से वर्ष 2016 में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से भी विभूषित किया गया है। इसके अलावा, आपको संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2011, तमिलनाडु सरकार की ओर से वर्ष 2007 में कलाईमामणि पुरस्कार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सीनियर फेलोशिप (2014-2016), आईसीसीआर में आउटस्टैंडिंग केटेगिरि एम्पैनल्ड आर्टिस्ट, श्री कृष्ण गण सभा, चेन्नई की ओर से नृत्य चूड़ामणि पुरस्कार, क्लीवलेंट त्यागराज आराधना फेस्टिवल समिति की ओर से नृत्य रत्नाकर पुरस्कार, संगीत नाटक अकादमी (2003-2005) की ओर से जूनियर फेलोशिप और ऐसे ही अन्य अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।